हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देयताओं के तिमाही अनुमान *

अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को वित्तीय संसाधनों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हाउसहोल्ड्स होते हैं। इसीलिए, वित्तीय आस्तियों और हाउसहोल्ड्स की देनदारियों में उतार-चढ़ाव के अध्ययन से भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति को समझा जा सकता है। यह लेख इस दिशा में मार्च 2018 में किए गए शुरुआती प्रयास को अद्यतन करता है और मार्च 2020 से पहले की सभी बारह तिमाहियों के लिए हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देनदारियों के बारे में उपलब्ध जानकारी को समेकित करता है। दोनों हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ और देनदारियां मुख्यत: बैंक केंद्रित रही हैं, परंतु हाल की तिमाहियों में म्यूचुअल फंड और बीमा की ओर भी कुछ रुझान देखा गया है।

परिचय

भारत में, हाउसहोल्ड्स क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में सकल बचत का लगभग 60 प्रतिशत योगदान देता है, और इस प्रकार सकल निवेश के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

हाउसहोल्ड्स बचत के वार्षिक आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं और 31 जनवरी, 2020[1] को जारी किए गए नवीनतम वार्षिक अनुमान यह दर्शाता है कि हाउसहोल्ड्स क्षेत्र की वित्तीय बचत 2016-17 में जीडीपी के 7.4 प्रतिशत और 2017-18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर 2018-19 में 6.5 प्रतिशत रह गयी। वर्ष 2019-20 के लिए डेटा 29 जनवरी 2021 को उपलब्ध होगा।

हाउसहोल्ड्स क्षेत्र की वित्तीय आस्तियों और देनदारियों के बारे में वार्षिक जानकारी आरबीआई बुलेटिन[2] के जुलाई 2019 के अंक में प्रकाशित की गई थी, जो लिखतवार 'किससे किसको' आधार पर तैयार की गयी थी। इस आलेख में पहली बार, मार्च 2020 तक के तिमाही आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं जिससे हाउसहोल्ड्स क्षेत्र की वित्तीय बचत के आधिकारिक वार्षिक अनुमानों की उपलब्धता में मौजूद 10 महीनों के अंतराल को भरा जा सका है। अतिव्यापन (ओवरलैप) की अवधि - 2017-18 की पहली और दूसरी तिमाही - से संबंधित डाटा नवीनतम उपलब्ध जानकारी को शामिल करते हुए संशोधित किया गया है। इसे जारी करते हुए, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जो तिमाही आधार पर हाउसहोल्ड्स बचत को प्रकाशित करते हैं।

शेष आलेख को तीन भागों में विभाजित किया गया है। भाग II में समग्र स्तर पर हाउसहोल्ड्स क्षेत्र की तिमाही वित्तीय आस्तियों और देनदारियों के अनुमानों पर चर्चा की गई है। भाग III वित्तीय आस्तियों और देनदारियों के लिखतवार संघटन की जांच करता है। भाग IV में निष्कर्षात्मक टिप्पणियाँ की गयी हैं। अनुलग्नक में इसकी कार्यप्रणाली, डेटा के स्रोत / सीमाएँ और हाउसहोल्ड्स वित्तीय आस्तियों और देनदारियों के लिखतवार अनुमानों को सारणीबद्ध रूप में दिया गया है।

II. हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ और देयताएं

2018-19[4] में भारतीय हाउसहोल्ड्स की शुद्ध वित्तीय आस्तियाँ थोडी कम हुईं जिससे यह संकेत मिलता है कि हाउसहोल्ड्स ने उपभोग पर अधिक खर्च किया है। हालांकि, 2019-20 में, आस्तियों में तेजी से वृद्धि होने लगी है और उन्होंने 2017-18 में प्राप्त स्तर, अर्थात जीडीपी का 7.7 प्रतिशत, तक पहुंचने लगी हैं (सारणी 1)। यह सुधार इसलिए हो सका क्योंकि हाउसहोल्ड्स की बैंक जमाओं की तुलना में बैंक उधारी में आयी गिरावट की गति तेज रही है यद्यपि कोविड-19 के कारण आए आर्थिक व्यवधानों के चलते 2019-20 की चौथी तिमाही में ऐसा नहीं हो सका।

तिमाही आंकड़े इस क्षेत्र से संसाधनों के प्रवाह में बड़े उतार-चढ़ाव को भी प्रकट करते हैं जो कि वार्षिक आंकड़ों में देखने को नहीं मिलता (चार्ट 1)।

हाउसहोल्ड्स की सकल वित्तीय देनदारियां 2019-20 की पहली तिमाही में ऋणात्मक स्तर पर पहुंच गयीं जिसका प्रमुख कारण था वाणिज्यिक बैंकों से उधारियों में आयी कमी; परंतु उसके बाद इसमें तेजी आयी और 2019-20 की चौथी तिमाही में

---

* आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक के राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग के अनुपम प्रकाश, आनंद प्रकाश एक्का, कुणाल प्रियदर्शी, चैताली भौमिक और ईशु ठाकुर। आंकड़े जुटाने में शालिनी जैन द्वारा भी सहायता प्रदान की गयी। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं और वे रिज़र्व बैंक के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

1 राष्ट्रीय आय, उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण का पहला संशोधित अनुमान (एफआरई)।

2 भारतीय अर्थव्यवस्था का वित्तीय स्टॉक और फ्लो लेखा: 2011-12 से 2017-18।

3 ओईसीडी स्टैट केवल 19 देशों के लिए हाउसहोल्ड वित्तीय बचत डेटा रिपोर्ट करता है।

4 एनएसओ द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए हाउसहोल्ड वित्तीय बचत जीडीपी का 6.5% दर्शायी गयी थी जो अब भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा प्रकाशित जीवन बीमा पॉलिसियों के अद्यतन डाटा तथा केंद्रीय बजट 2020-21 में प्रकाशित लघु बचत आंकड़ों के आधार पर जीडीपी का 7.2% प्रतिशत ठहरती है।

सारणी1: हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियाँ और देयताएँ

(राशि ₹ लाख करोड़ में)

मद	2017-18					2018-19					2019-20				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
निवल वित्तीय आस्तियाँ (ए-बी)	2.78	3.59	2.48	4.45	**13.29**	2.76	2.29	2.13	6.56	**13.73**	3.48	3.68	3.36	5.09	**15.62**
	(6.9)	(8.6)	(5.7)	(9.7)	**(7.7)**	(6.1)	(4.9)	(4.4)	(13.2)	**(7.2)**	(7.1)	(7.5)	(6.5)	(9.6)	**(7.7)**
ए: सकल वित्तीय आस्तियाँ	3.85	5.77	3.42	7.56	**20.60**	3.58	4.82	3.52	9.31	**21.23**	3.31	5.06	5.52	7.73	**21.63**
	(9.6)	(13.8)	(7.9)	(16.5)	**(12.0)**	(7.9)	(10.4)	(7.3)	(18.8)	**(11.1)**	(6.7)	(10.3)	(10.7)	(14.5)	**(10.6)**
बी: वित्तीय देयताएँ	1.08	2.18	0.94	3.11	**7.31**	0.83	2.53	1.38	2.75	**7.50**	-0.18	1.38	2.16	2.64	**6.01**
	(2.7)	(5.2)	(2.2)	(6.8)	**(4.2)**	(1.8)	(5.5)	(2.9)	(5.6)	**(3.9)**	(-0.4)	(2.8)	(4.2)	(5.0)	**(2.9)**

टिप्पणी: (i) कोष्ठक में आंकड़ों को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में दर्शाया गया है।

(ii) मार्च 2018 के आरबीआई बुलेटिन में वर्ष 2017-18 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए प्रकाशित आंकड़ों को संशोधित किया गया है।

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।

ये अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयीं जिससे मौसमी उछाल के साथ-साथ कोविड-19 जनित कठिनाइयों के कारण अपेक्षाकृत अधिक उधारियों का संकेत मिलता है। कई अध्ययन यह दर्शाते हैं कि जब भी आर्थिक मंदी होती है और आय की अनिश्चितता बढ़ जाती है, तब हाउसहोल्ड्स की बचत करने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है [मूडी *और अन्य*, 2012; चक्रवर्ती *और अन्य*, 2011; नामियस, 2010; लेवानोन एण्ड फ्रेंको, 2011].

III. हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों और देनदारियों का लिखतवार संविभाग

हाउसहोल्ड्स अपनी वित्तीय आस्तियों और देनदारियों का आबंटन भिन्न-भिन्न स्तर की तरलता और जोखिमों वाले विभिन्न लिखतों में करते हैं। वित्तीय आस्तियाँ मुद्रा, बैंक जमा, कर्ज प्रतिभूतियों, म्यूचुअल फंडों, बीमा, पेंशन फंडों और छोटी बचतों के रूप में धारित की जाती हैं। वित्तीय देनदारियाँ मुख्यतया बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से लिए गए ऋण और उधारियों के रूप में होती हैं।

III.1 हाउसहोल्ड आस्तियाँ

अधिकांश वित्तीय आस्तियाँ (66 प्रतिशत) बैंकों के पास मौजूद मुद्रा और जमा के रूप में होती हैं और इनके बाद बीमा निधियों और म्यूचुअल फंड का स्थान आता है (चार्ट 2)।

मुद्रा, वाणिज्यिक बैंक जमा, सहकारी बैंक जमा, जीवन बीमा निधि और म्यूचुअल फंड जैसे कुछ चुनिंदा लिखतों के संदर्भ में

चार्ट 1 : हाउसहोल्ड्स की निवल वित्तीय आस्तियाँ (सांकेतिक जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

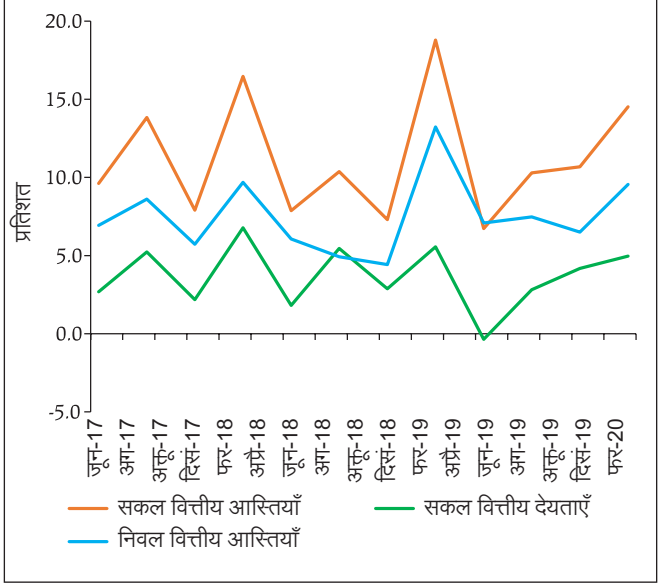

चार्ट 2 : हाउसहोल्ड्स की वित्तीय आस्तियों* का संघटन : बकाया (मार्च 2020 की समाप्ति पर की स्थिति)

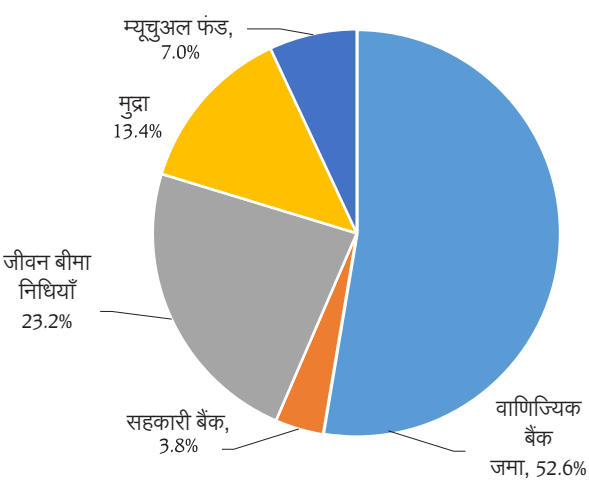

* : कुछ ऐसे चुनिंदा लिखतों के बकाया का डाटा दिया गया है जिनसे संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं।

हाउसहोल्ड्स की बकाया वित्तीय आस्तियों के संघटन की प्रवृत्ति से हमें कुछ दिलचस्प जानकारी प्राप्त होती है (अनुलग्नक II; सारणी 3)। बैंकों के पास जमा, जिसमें 2016-17 की तीसरी तिमाही से लगातार गिरावट आ रही थी, उसमें 2018-19 की चौथी तिमाही से वृद्धि दर्ज की गयी क्योंकि बैंकों, विशेष रूप से निजी बैंकों में संसाधन जुटाने के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा होने लगी (आरबीआई, 2019 ए)। बीमा और म्यूचुअल फंड उत्पादों में लगातार हो रही वृद्धि से वैकल्पिक वित्तीय साधनों की बढ़ती खपत का संकेत मिला। कुल बकाया आस्तियों में मुद्रा की हिस्सेदारी मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई है।

कम से कम दो वित्तीय आस्तियों यथा बैंक जमा और मुद्रा में स्पष्ट मौसमी पैटर्न देखा जा सकता है (चार्ट 3)। पहली तिमाही में बैंकिंग प्रणाली में जमा में आम तौर पर कमी आती है और वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में यह बढ़ जाता है जबकि हाउसहोल्ड्स की मुद्रा धारिता पहली तिमाही में चरम पर होती है और दूसरी तिमाही में इसमें कमी आती है। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में बैंक प्राय: अपनी ऋण सुपुर्दगी और जमा संग्रहण बढ़ा देते हैं अर्थात वे वर्षांत के लक्ष्यों[6] को प्राप्त करने और अपने आस्ति गुणवत्ता संकेतकों में सुधार लाने के लिए कुछ विंडो ड्रेसिंग[5] भी करते हैं (आरबीआई, 2013 बी; राजपाठक, 2019)।

मुद्रा पैटर्न त्योहारों, रबी की खरीद और खरीफ की बुआई और पर्यटन संबंधी मांग से जुड़े हैं (आरबीआई, 2019 सी)। बीमा उत्पादों में भी मध्यम दर्जे का मौसमी रुझान देखा जाता है - आय में कटौती प्राप्त करने के लिए चौथी तिमाही में मांग सबसे अधिक हो जाती है।

III.2 हाउसहोल्ड्स की देनदारियाँ

हाउसहोल्ड्स की वित्तीय देनदारियों में सबसे अधिक हिस्सेदारी वाणिज्यिक बैंकों से लिए गए उधार की है। 2019-20 की चौथी तिमाही के अंत में, हाउसहोल्ड्स की कुल वित्तीय देनदारियों का अधिकांश (75.9 प्रतिशत) भाग उनके द्वारा वाणिज्यिक बैंकों से लिए गए बकाया ऋणों का था और उनके बाद क्रमश: एचएफसी, एनबीएफसी, सहकारी बैंकों और क्रेडिट सोसाइटियों का हिस्सा था (चार्ट 4)।

वित्तीय देनदारियों का अधिग्रहण भी एक मौसमी पैटर्न को प्रकट करता है; वे आम तौर पर चौथी तिमाही के दौरान चरम पर होते हैं और फिर पहली तिमाही में कम हो जाते हैं जो कि

चार्ट 3: हाउसहोल्ड क्षेत्र की सकल वित्तीय आस्तियों में लिखतवार भिन्नता

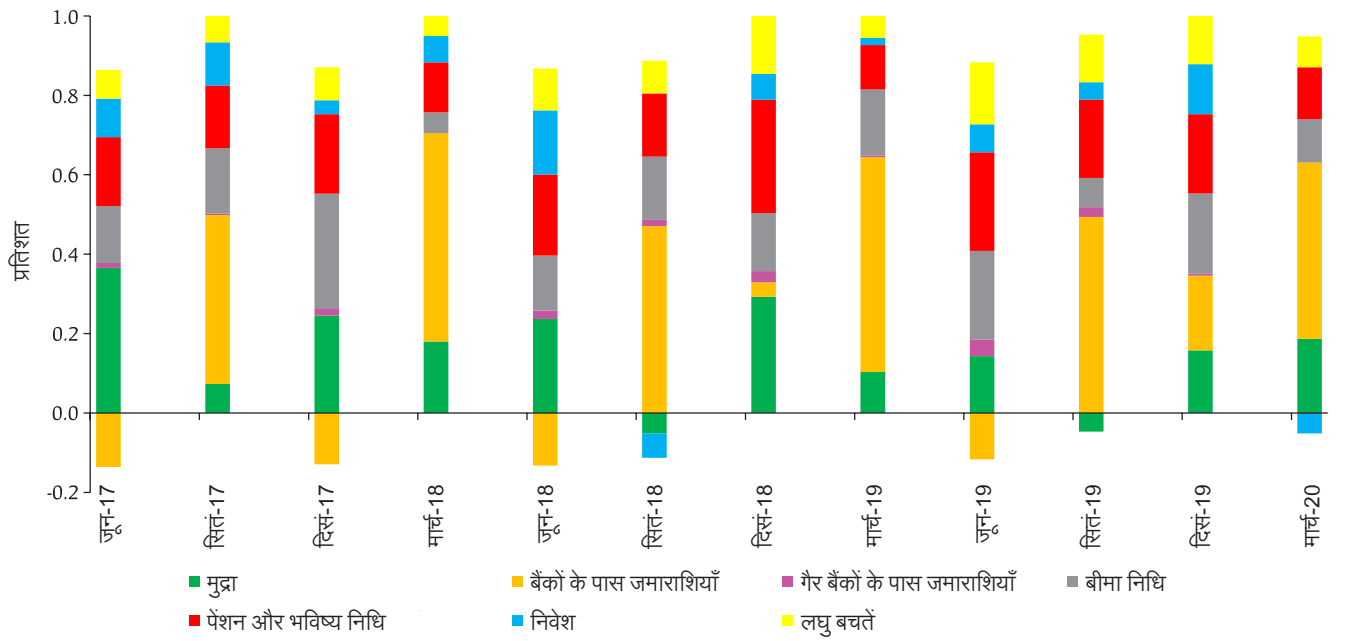

[5] भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 18 नवंबर 2019 के आदेश के माध्यम से इंडियन बैंक पर ₹1 करोड़ का मौद्रिक जुर्माना लगाया क्योंकि उन्होंने आरबीआई द्वारा बैलेंस शीट की विंडो-ड्रेसिंग और वर्गीकरण तथा धोखाधड़ी के रिपोर्टिंग पर जारी दिशानिर्देशों (आरबीआई, 2019 डी) का अनुपालन नहीं किया था।

[6] हालांकि एससीबी के लिए कोई क्रेडिट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं, बहुत से बैंक अपनी वार्षिक रिपोर्टों में अपने आंतरिक क्रेडिट वृद्धि लक्ष्य का उल्लेख करते हैं।

चार्ट 4: हाउसहोल्ड्स की वित्तीय देनदारियों* का संघटन: बकाया (मार्च 2020 की समाप्ति पर की स्थिति)

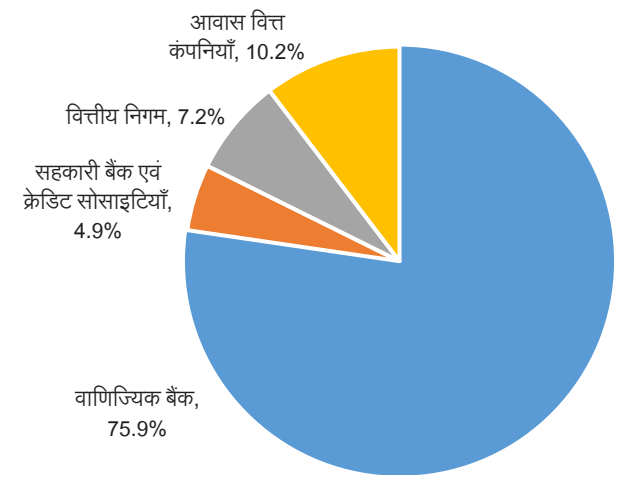

*: डाटा की अनुपलब्धता के कारण बकाया के आंकड़े केवल चुनिंदा क्षेत्रों के लिए दिए गए हैं।

मोटे तौर पर बैंकिंग क्षेत्र द्वारा ऋणों के संवितरण में मौजूद मौसमी प्रभाव का ही परिणाम होता है जैसा कि पिछले भाग में बताया गया है।

हाउसहोल्ड्स द्वारा एनबीएफसी से लिए गए उधार, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (IL & FS) के संकट के कारण उत्पन्न चलनिधि के दबाव के कारण 2018-19 की तीसरी तिमाही के दौरान गिरावट आ गयी थी, उसमें बाद की तिमाहियों में बहाली आयी (चार्ट 5)। एचएफसी से लिए जाने वाले ऋणों में 2019-20 की तीसरी तिमाही के दौरान आयी कमी से रीयल एस्टेट में घटती मांग का संकेत मिलता है, जो रीयल एस्टेट की बिक्री में आयी कमी से भी स्पष्ट है।

बैंक क्रेडिट के रूप में देनदारियों का अधिग्रहण 2019-20 की पहली तिमाही में कम होकर जीडीपी के 1.5 प्रतिशत तक रह गया हालांकि इस वर्ष की बाद की तिमाहियों में इसमें तेजी आयी। ऐसा प्रतीत होता है कि अर्थव्यवस्था में आ रही मंदी के माहौल में आय में वृद्धि से जुड़ी भावी अनिश्चितताओं तथा बैंकों में आस्ति-गुणवत्ता बनाए रखने की चिंता से उपजी जोखिम विमुखता की प्रवृत्ति के कारण 2019-20 की पहली तिमाही में हाउसहोल्ड्स द्वारा बैंकिंग क्षेत्र से लिए गए उधार में मौसमी कारकों की वजह से आ रहा संकुचन और तीव्र हो गया है।

IV. निष्कर्ष

हाउसहोल्ड्स क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तपोषण का सबसे स्थायी और आत्मनिर्भर स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था को मंदी की चपेट में आने से रोकने और हाल ही में जानलेवा कोविड-19 महामारी की चपेट में आयी भारतीय अर्थव्यवस्था को उबारने की दिशा में किए जा रहे नीतिगत प्रयासों के संदर्भ में इसकी भूमिका अति महत्वपूर्ण हो जाने की संभावना है।

चार्ट 5: हाउसहोल्ड्स की वित्तीय देयताओं में संस्थान-वार भिन्नता

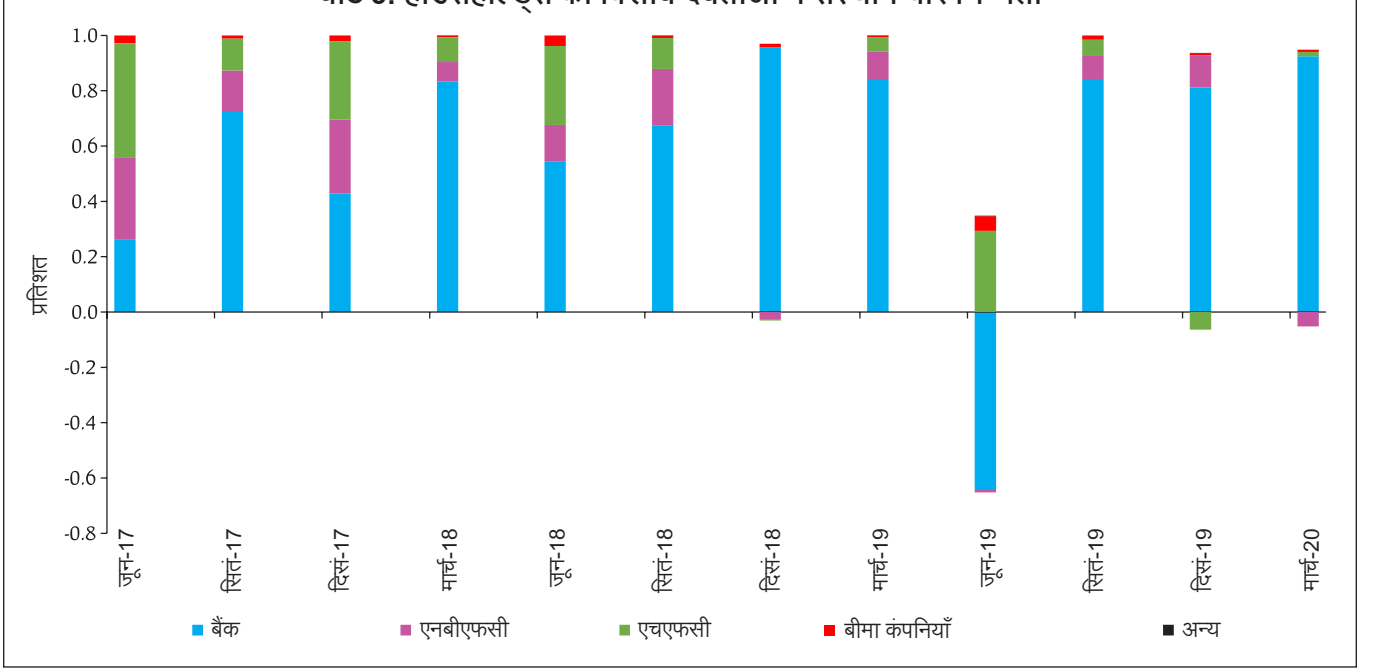

हाउसहोल्ड्स अभी भी ऋणों के लिए तथा अपने अधिशेष के निवेश हेतु ज्यादातर बैंकिंग क्षेत्र पर ही निर्भर करते हैं, हालांकि उनकी वित्तीय आस्तियों में बैंक जमा की हिस्सेदारी में एकसमान गिरावट आयी है। हालिया बदलाव यह हुआ है कि म्युचुअल फंड और बीमा में उनकी आस्तियाँ बढ़ने लगी हैं। देनदारियों की बात करें तो, 2019-20 के दौरान कुल देनदारियों में बैंकिंग क्षेत्र से लिए गए उधार की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट से अर्थव्यवस्था में चल रही मंदी और बैंकों की जोखिम विमुखता का संकेत मिला। कोविड -19 के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं के परिणामस्वरूप, म्यूचुअल फंडों से बहिर्वाह और मुद्रा धारण में वृद्धि देखी गयी है।

भविष्य की बात करें तो, 2020-21 की पहली तिमाही में लॉकडाउन के कारण खपत में आयी तीव्र गिरावट के कारण हाउसहोल्ड्स की निवल वित्तीय आस्तियाँ तेजी से बढ़ने की संभावना है। आर्थिक गतिविधि के फिर से रफ्तार पकड़ने में होने वाले विलंब के कारण हाउसहोल्ड्स का वित्तीय अधिशेष बाद की तिमाहियों में कम हो सकता है। निर्माण गतिविधियाँ थम जाने के कारण यह संभावना जतायी जा रही है कि हाउसहोल्ड्स अपनी भौतिक आस्तियों को वित्तीय आस्तियों में बदलेंगे।

संदर्भ:

Chakrabarti, Rajashri, Donghoon Lee, Wilbert van der Klaauw, and Basit Zafar (2011), "Household Debt and Saving During The 2007 Recession", *NBER Working Paper Series,* National Bureau of Economic Research, April 2011.

Das, M. R. (2012), "Window-dressing of Deposits By Banks: Some Truths", Business Standard, September 13, 2012, https://www.thehindubusinessline.com/money-and-banking/Window-dressing-of-deposits-by-banks-Some-truths/article20505189.ece

FSB (2018), "Financial Crisis and Information Gaps, Second Phase of the G20 Data Gaps Initiative (DGI-2) Third Progress Report" International Monetary Fund and Financial Stability Board.

Government of India (2018), "Report of the Committee on Financial Sector Statistics", Central Statistical Organisation, Ministry of Statistics & Programme and Implementation, Government of India.

Levanon, Gad and Lynn Franco (2011), "The Great Recession and Household Savings", The Conference Board, February 2011.

Mody, Ashoka, Franziska Ohnsorge and Damiano Sandri (2012), "Precautionary Savings in the Great Recession", *IMF Working Paper,* WP/12/42, February 2012.

Nahmias, Laurent (2010), "The Financial Crisis and Household Savings Behaviour in France", Economic Research – BNP PARIBAS, France.

OECD (2017), "Understanding Financial Accounts", Edited by Peter Van De Ven and Daniele Fano, OECD Publishing, Paris.

Prakash, Anupam, Avdhesh Kumar Shukla, Anand Prakash Ekka and Kunal Priyadarshi (2018), "Quarterly Estimates of Households' Financial Assets and Liabilities", *RBI Bulletin*, March 2018.

Prakash, Anupam, Avdhesh Kumar Shukla, Anand Prakash Ekka, Kunal Priyadarshi and Chaitali Bhowmick (2019), "Financial Stocks and Flows of the Indian Economy 2011-12 to 2017-18", *RBI Bulletin,* July 2019.

Rajpathak, Rajashree, Sanjay Singh and Srijashree Sardar (2019), "Seasonality in India's Key Economic Indicators", *RBI Bulletin,* March 2019.

Rangarajan, C. (2009), "Report of the High Level Committee on Estimation of Savings and Investment", Reserve Bank of India.

RBI (2019a), *"Report on Trend and Progress of Banking in India 2018-19",* Reserve Bank of India.

___ (2013b), *"Financial Stability Report"*, Reserve Bank of India, June, 2013

___ (2019c), *"Annual Report 2018-19"*, Reserve Bank of India.

___ (2019d), "Reserve Bank of India Imposes Monetary Penalty on Indian Bank", Press Release, Reserve Bank of India, November 20, 2019.

Rebello, Joel (2019), "In Deposit War, Private Sector Banks Win Hands Down", The Economic Time, February 27, 2019, https://economictimes.indiatimes.com/industry/banking/finance/banking/in-deposit-war-private-banks-win-hands-down/articleshow/68177391.cms?from=mdr

अनुलग्नक I
आंकडों के स्रोत और प्रयुक्त प्रविधि

सांख्यिकीय दृष्टिकोण से, हाउसहोल्ड्स से संबंधित आंकड़े एक क्षैतिज संतुलन प्रणाली के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं (ओईसीडी 2017)। इस प्रक्रिया में हाउसहोल्ड्स संबंधी आंकड़े संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध जानकारी पर आधारित होते हैं। उदाहरण के लिए, हाउसहोल्ड्स की ऋण देयताओं से संबंधित आंकड़े वाणिज्यिक बैंकों, एनबीएफसी, बीमा कंपनियों, सामान्य सरकारी क्षेत्र और गैर वित्तीय निकायों जैसे क्षेत्रों के तुलन-पत्रों में उपलब्ध जानकारी से प्राप्त किए जाते हैं (सारणी ए)। हाउसहोल्ड क्षेत्र के सर्वेक्षणों से नियमित अंतराल पर आवश्यक आंकड़े उपलब्ध न हो पाने के कारण और पर्याप्त कवरेज के अभाव में सामान्य रूप से यही प्रक्रिया सभी देशों द्वारा अपनायी जाती है। जैसा कि ओईएसीडी ने बताया है, "सर्वेक्षणों द्वारा हाउसहोल्ड्स के वित्तीय और गैर वित्तीय व्यवहार के संबंध में निकाले जाने वाले निष्कर्ष सटीक नहीं होते, जबकि संबंधित पार्टियों से प्राप्त जानकारी प्राय: सुपरिभाषित और सही पायी गयी है" (ओईसीडी 2017)।

सारणी ए: वित्तीय आस्तियों और देयताओं के लिए डाट स्रोतों का सारांश

लिखत	परिभाषा	आस्तियाँ
वित्तीय आस्तियाँ		
मुद्रा	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी मुद्रा	रंगराजन (2009) के बाद से अनुमानित अवशिष्ट मदें।
जमाराशियाँ	चालू, बचत और मीयादी जमाराशियाँ चाहे उनकी परिपक्वता अवधि कुछ भी हो	वाणिज्य बैंकों, सहकारी बैंकों, गैर बैंक वित्तीय संस्थाएं, एचएफसीएस आदि से प्राप्त प्रतिरूप डाटा
कर्ज प्रतिभूतियाँ, सूचीबद्ध शेयर,म्यूचुअल फंड यूनिट	कर्ज प्रतिभूतियों में शामिल हैं- वाणिज्यिक पत्र, खजाना प्रतिभूतियाँ, सरकारी बॉण्ड, वित्तीय और गैर वित्तीय निगमों द्वारा पब्लिक इश्यू के माध्यम से जारी किए गए डिबेंचर, वित्तीय और गैर-वित्तीय निगमों द्वारा पब्लिक इश्यू के माध्यम से जारी किए गए शेयर।	भारतीय रिज़र्व बैंक और सेबी की रिपोर्टें, विवरण पुस्तिकाएं और निर्गम से संबंधित दस्तावेज ।
जीवन बीमा	व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों से संबंधित हकदारों के लिए बीमांकिक रिज़र्व और अन्य तकनीकी रिज़र्व।	बीमा कंपनियों और जनता के जानकारी हेतु जारी विवरणियों से प्राप्त डाटा।
पेंशन/भविष्य निधियाँ	सरकारी क्षेत्र और गैर सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति जमा निधि संबंधित लाभ प्राप्त करने हेतु पात्रता।	सरकारी बज़ट दस्तावेज, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा अन्य पेंशन भविष्य निधि ट्रस्टों की रिपोर्टें।
देयताएँ		
ऋण	वाणिज्य बैंकों, क्रेडिट सोसाइटियों, एनबीएफसी, एचएफसी जैसे वित्तीय संस्थानों से लिए गए आवास ऋण, उपभोक्ता ऋण, फसल ऋण और कारोबार ऋण।	संबंधित पक्षों के बारे में भारतीय रिज़र्व बैंक और राष्ट्रीय आवास बैंक की विभिन्न वार्षिक और तिमाही रिपोर्टों में दर्ज जानकारी।
व्यापार ऋण	निवल व्यापारिक देयराशियाँ	गैर वित्तीय निगम क्षेत्र की रिपोर्टें

टिप्पणियां:- उपर्युक्त लिखतों के अतिरिक्त, भारतीय हाउसहोल्ड्स के पास उनकी स्वयं की वित्तीय आस्तियाँ हो सकती हैं जैसे- वित्तीय व्युत्पन्नी, व्यापारिक संबंधियों को व्यापार ऋण; और वित्तीय देयताएँ, जैसे- गैर कार्पोरेट क्षेत्र से व्यापार ऋण। हमने डाटा के अभाव के कारण इन लिखतों पर चर्चा नहीं की है।

अनुलग्नक II
सारणी1: हाउसहोल्ड्स की सकल वित्तीय आस्तियाँ

(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

मद	2017-18					2018-19					2019-20				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
सकल वित्तीय आस्तियाँ	**9.6**	**13.8**	**7.9**	**16.5**	**12.0**	**7.9**	**10.4**	**7.3**	**18.8**	**11.1**	**6.7**	**10.3**	**10.7**	**14.5**	**10.6**
जिनमें से :															
1. कुल जमाराशियाँ (ए) + (बी)	**-1.6**	**5.9**	**-1.2**	**8.6**	**2.9**	**-1.2**	**6.5**	**0.5**	**10.2**	**4.0**	**-0.7**	**5.9**	**2.1**	**7.1**	**3.6**
(ए) बैंक जमाराशियाँ	-1.8	5.9	-1.4	8.6	**2.8**	-1.4	6.3	0.3	10.2	**3.8**	-1.0	5.6	2.0	7.2	**3.4**
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	-1.5	5.7	-1.5	8.6	**2.8**	-1.4	6.2	0.2	9.9	**3.7**	-1.1	5.5	1.2	7.1	**3.2**
ii. सहकारी बैंक	-0.3	0.2	0.1	0.1	**0.0**	-0.1	0.1	0.0	0.3	**0.1**	0.0	0.1	0.8	0.1	**0.3**
(ख) गैर बैंक जमाराशियां	0.2	0.1	0.2	0.0	**0.1**	0.2	0.2	0.2	0.1	**0.2**	0.4	0.3	0.1	0.0	**0.2**
2. जीवन बीमा निधियाँ	**1.9**	**2.3**	**3.1**	**0.9**	**2.0**	**1.5**	**2.1**	**1.1**	**3.1**	**1.9**	**2.0**	**0.8**	**2.1**	**1.8**	**1.7**
3. भविष्य निधि और पेंशन निधियाँ (पीपीएफ सहित)	**2.3**	**2.2**	**2.1**	**2.1**	**2.2**	**2.2**	**2.1**	**2.1**	**2.1**	**2.1**	**2.2**	**2.2**	**2.1**	**2.1**	**2.2**
4. मुद्रा	**4.8**	**1.0**	**2.6**	**3.0**	**2.8**	**2.5**	**-0.7**	**2.1**	**1.9**	**1.5**	**1.3**	**-0.5**	**1.7**	**3.0**	**1.4**
5. निवेश	**1.3**	**1.5**	**0.4**	**1.1**	**1.1**	**1.7**	**-0.8**	**0.5**	**0.3**	**0.4**	**0.6**	**0.5**	**1.3**	**-0.8**	**0.4**
जिनमें से :															
म्यूचुअल फंड	1.2	1.3	0.0	0.8	**0.8**	1.5	-1.0	0.4	0.2	**0.3**	0.2	0.4	1.3	-0.9	**0.2**
6. लघु बचतें (पीपीएफ को छोड़कर)	**1.0**	**0.9**	**0.9**	**0.8**	**0.9**	**1.1**	**1.1**	**1.1**	**1.0**	**1.1**	**1.4**	**1.4**	**1.3**	**1.3**	**1.3**

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।

सारणी 2: हाउसहोल्ड्स की सकल वित्तीय देनदारियाँ

(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

मद	2017-18					2018-19					2019-20				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
सकल वित्तीय देयताएँ	**2.7**	**5.2**	**2.2**	**6.8**	**4.2**	**1.8**	**5.5**	**2.9**	**5.6**	**3.9**	**-0.4**	**2.8**	**4.2**	**5.0**	**2.9**
ऋण (उधारराशियाँ); स्रोत															
ए. वित्तीय निगम (i+ii)	**2.7**	**5.2**	**2.2**	**6.8**	**4.2**	**1.8**	**5.5**	**2.9**	**5.6**	**3.9**	**-0.4**	**2.8**	**4.2**	**5.0**	**2.9**
(i) बैंकिंग क्षेत्र	**0.7**	**3.8**	**0.9**	**5.7**	**2.8**	**1.0**	**3.7**	**2.9**	**4.7**	**3.1**	**-0.8**	**2.4**	**3.9**	**0.0**	**1.4**
जिसमें से:															
वाणिज्यिक बैंक	0.7	3.8	0.9	5.5	2.7	0.9	3.7	2.9	4.5	3.0	-1.5	2.3	3.4	4.9	2.3
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	**2.0**	**1.4**	**1.2**	**1.1**	**1.4**	**0.8**	**1.8**	**-0.1**	**0.9**	**0.9**	**0.4**	**0.4**	**0.3**	**-0.2**	**0.2**
(ए) वित्तीय निगम	0.8	0.8	0.6	0.5	0.7	0.2	1.1	-0.1	0.6	0.5	0.0	0.2	0.6	-0.3	0.1
(बी) आवास वित्त कंपनियाँ	1.1	0.6	0.6	0.6	0.7	0.5	0.6	0.0	0.3	0.3	0.3	0.2	-0.3	0.1	0.1
(सी) बीमा कंपनियाँ	0.1	0.1	0.0	0.0	0.1	0.1	0.1	0.0	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0
बी. गैर वित्तीय निगम (निजी कॉर्पोरेट कारोबार)*	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**
सी. सामान्य सरकार *	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**	**0.0**

*: नगण्य

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।

सारणी 3: हाउसहोल्ड्स की आस्तियों और देयताओं में बकाया की स्थिति : चुनिंदा संकेतक

(₹ करोड़ में)

मद	2017-18				2018-19				2019-20			
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4
सकल वित्तीय आस्तियाँ												
जिनमें से:												
ए. बैंक जमाराशियाँ(i+ii)	**74,06,499**	**76,51,681**	**75,92,300**	**79,88,459**	**79,23,991**	**82,16,181**	**82,28,953**	**87,32,543**	**86,82,099**	**89,57,299**	**90,61,181**	**94,43,347**
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	68,48,812	70,86,130	70,23,386	74,16,181	73,54,407	76,43,889	76,54,524	81,45,229	80,92,560	83,60,743	84,24,434	88,02,081
ii. सहकारी बैंक	5,57,687	5,65,552	5,68,914	5,72,278	5,69,584	5,72,291	5,74,428	5,87,315	5,89,540	5,96,556	6,36,747	6,41,266
बी. जीवन बीमा निधियाँ	**29,44,884**	**30,38,077**	**31,70,213**	**32,07,898**	**32,70,270**	**33,64,359**	**34,10,441**	**35,59,920**	**36,50,999**	**36,86,887**	**37,92,633**	**38,81,446**
सी. करेंसी निधियाँ	**13,77,115**	**14,19,187**	**15,31,963**	**16,67,814**	**17,82,923**	**17,50,789**	**18,53,445**	**19,49,222**	**20,10,843**	**19,84,738**	**20,71,582**	**22,32,230**
डी. म्यूचुअल फंड	**9,46,249**	**10,18,110**	**10,61,206**	**10,65,882**	**11,93,501**	**11,50,709**	**11,93,246**	**12,42,184**	**12,65,871**	**12,79,311**	**13,85,427**	**11,62,078**
कुल (ए+बी+ सी+ डी)	**1,26,74,748**	**1,31,27,055**	**1,33,55,682**	**1,39,30,053**	**1,41,70,686**	**1,44,82,037**	**1,46,86,085**	**1,54,83,870**	**1,56,09,812**	**1,59,08,234**	**1,63,10,822**	**1,67,19,100**
जीडीपी के प्रतिशत के रूप में												
ए. बैंक जमाराशियाँ(i+ii)	**46.2**	**45.9**	**43.9**	**43.5**	**43.5**	**44.2**	**42.7**	**44.1**	**44.1**	**45.5**	**43.8**	**44.3**
i. वाणिज्यिक बैंकों में जमाराशियां	42.7	42.5	40.6	40.4	40.4	41.1	39.7	41.1	41.1	42.5	40.7	41.3
ii. सहकारी बैंक	3.5	3.4	3.3	3.1	3.1	3.1	3.0	3.0	3.0	3.0	3.1	3.0
बी. जीवन बीमा निधियाँ	**18.4**	**18.2**	**18.3**	**17.5**	**18.0**	**18.1**	**17.7**	**18.0**	**18.6**	**18.7**	**18.3**	**18.2**
सी. करेंसी निधियाँ	**8.6**	**8.5**	**8.9**	**9.1**	**9.8**	**9.4**	**9.6**	**9.8**	**10.2**	**10.1**	**10.0**	**10.5**
डी. म्यूचुअल फंड	**5.9**	**6.1**	**6.1**	**5.8**	**6.6**	**6.2**	**6.2**	**6.3**	**6.4**	**6.5**	**6.7**	**5.5**
कुल	**79.1**	**78.7**	**77.2**	**75.8**	**77.8**	**77.9**	**76.2**	**78.1**	**79.3**	**80.8**	**78.8**	**78.5**
सकल वित्तीय देयताएँ												
ऋण (उधारराशियाँ); स्रोत												
ए. वित्तीय कारपोरेशन (i+ii)	**4615356**	**4833287**	**4927278**	**5238596**	**5321128**	**5574435**	**5712769**	**5988080**	**5970123**	**6108168**	**6323974**	**6587943**
(i) बैंकिंग क्षेत्र	**3725782**	**3884176**	**3924504**	**4183990**	**4228869**	**4399440**	**4540490**	**4771461**	**4733895**	**4850254**	**5050922**	**5323469**
जिसमें से:												
वाणिज्यिक बैंक	3487301	3646121	3684863	3939323	3982324	4152097	4293543	4517329	4445666	4557895	4735661	4998267
सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी	238115	237677	239251	244265	246138	246931	246529	253708	287801	291925	314821	324762
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	**889574**	**949111**	**1002774**	**1054606**	**1092259**	**1174995**	**1172278**	**1216619**	**1236228**	**1257914**	**1273053**	**1264474**
जिनमें से:												
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	280643	312603	337693	359583	370545	422575	418860	447496	446982	458506	487403	472061
आवास वित्त कंपनियाँ	511319	536379	563004	591058	614618	642947	642160	656279	673312	681405	665695	670179
जीडीपी के प्रतिशत के रूप में												
ए. वित्तीय कारपोरेशन (i+ii)	**28.8**	**29.0**	**28.5**	**28.5**	**29.2**	**30.0**	**29.6**	**30.2**	**30.3**	**31.0**	**30.6**	**30.9**
(i) बैंकिंग क्षेत्र	**23.2**	**23.3**	**22.7**	**22.8**	**23.2**	**23.7**	**23.6**	**24.1**	**24.1**	**24.6**	**24.4**	**25.0**
जिसमें से:												
वाणिज्यिक बैंक	21.8	21.8	21.3	21.4	21.9	22.3	22.3	22.8	22.6	23.2	22.9	23.5
सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी	1.5	1.4	1.4	1.3	1.4	1.3	1.3	1.3	1.5	1.5	1.5	1.5
(ii) अन्य वित्तीय संस्थान	**5.5**	**5.7**	**5.8**	**5.7**	**6.0**	**6.3**	**6.1**	**6.1**	**6.3**	**6.4**	**6.2**	**5.9**
जिनमें से:												
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	1.8	1.9	2.0	2.0	2.0	2.3	2.2	2.3	2.3	2.3	2.4	2.2
आवास वित्त कंपनियाँ	3.2	3.2	3.3	3.2	3.4	3.5	3.3	3.3	3.4	3.5	3.2	3.1

टिप्पणी : पेंशन और भविष्य निधि में हाउसहोल्ड्स के निवेश के बकाया को प्रकाशित नहीं किया जा रहा है क्योंकि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा उपलब्ध कराया गया अद्यतन डाटा, 2016-17 से संबंधित है और यह इस संभाग का लगभग 70% हिस्सा होता है।

स्रोत: स्टाफ द्वारा की गयी गणना।